स्नातक प्रथम वर्ष

हिन्दी–रचना (सामान्य हिन्दी) हिन्दी भाषियों के लिए अनिवार्य

समय – तीन घंटे

पूर्णांक – 100

अंकों का विभाजन

(क)	पाठ्यपुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न	: 3 × 12 = 36 अंक
(ख)	व्याख्या	: 3 × 8 = 24 अंक
(ग)	निबंध	:1 × 15 = 15 अंक
(घ)	व्याकरण	:3 × 5 = 15 अंक
(इ)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	: 10 × 1 = 10 अंक
		योग – 100 अंक

पाठ्य पुस्तकें :–

1. **कविता कानन** – सं0 डॉ0 देवदत्त राय

पाठ्यांश

1. विद्यापति – बड़ सुख सार पाओल तुअ तीरे,
   नव वृंदावन, नव नव तरु गन।
2. कबीर – कौन ठगवा नगरिया लूटल हो,
   भगति बिनु बिरथे जनम गयो।
3. सूरदास – निस दिन बरसत नैन हमारे।
   ऊधो, मोहि ब्रज बिसरत नाहिं।
4. तुलसी – मन पछतइहें अवसर बीते।
   यह विनती रघुवीर गोसाईं।
5. बिहारी – निम्नलिखित दोहे :–
   नहिं पराग नहिं मधुर मधु, पत्रा हीं तिथि पाइयै,
   चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों, करी बिरह ऐसी तऊ,
   मोहन मूरति स्याम की, कनक–कनक तैं सौगुनी,
   त्यों त्यों प्यासेई रहत, अधर धरत हरि कैं परत,
   कहलाने एकत बसत, समै समै सुंदर सबै।

StudyRaw.com

6. रसखान – खंजन नैन फँदे पिंजरा, कान्ह भये बस बाँसुरी के।

अथवा

साहित्यधारा – सं0 डॉ0 शिवाजी नाले/ डॉ0 इरेश स्वामी–प्रकाशक – ओरिएंट लांग्मैन, पटना

पद्य – कबीर, रहीम, बिहारी, मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर'।

गद्य – प्रेमचंद(पूस की रात), चिरंजीत (अखबारी विज्ञापन), हरिशंकर परसाई (समय काटने वाले), रामवृक्ष बेनीपुरी (बुधिया), महादेवी वर्मा (सबिया)

निबंध–(छात्र–जीवन, राजनीति, प्रकृति, महापुरुष, युद्ध,शांति, रोजगार, शिक्षा–पद्धति, खेल, चलचित्र, रेडियो, विज्ञान, साहित्य आदि से सम्बन्धित)

व्याकरण – उपसर्ग, प्रत्यय, वाक्य–संशोधन, मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ, संक्षेपण, पल्लवन, पत्र–लेखन।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– हिन्दी रचना के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।

अभिस्तावित ग्रंथ :–

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
2. व्याकरण भास्कर – डॉ0 वचनदेव कुमार
3. हिन्दी शब्दानुशासन – आचार्य किशोरीदास वाजपेयी–
4. राष्ट्रभाषा हिन्दी और व्याकरण – डॉ0 जितेन्द्र वत्स
5. हिन्दी निबन्ध – आचार्य निशांतकेतु
6. हिन्दी निबन्ध – डॉ0 राजनाथ शर्मा
7. आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ0 राजवंश सहाय 'हीरा'
8. हिन्दी साहित्य : संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. हिन्दी के प्राचीन कवि – डॉ0 रामप्यारे तिवारी
10. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ0 श्रीनिवास शर्मा

StudyRaW.com